Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 03-08-2006
Participants : Meghwal Shri Kailash,Bhargav Shri Girdhari Lal

>

Title : Need to connect Tonk district Head Quearter by rail and enhance the facilities at its computerised reservation centre.

श्री कैलाश मेघवाल (टोंक) : आदरणीय सभापति महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र में टोंक जिले का मुख्यालय है। टोंक जिला राजस्थान के अन्य जिलों की अपेक्षा एक पिछड़ा हुआ जिला है तथा अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र है। यद्यपि टोंक जिले के पिछड़े होने के कई अन्य कारण हैं। परन्तु एक मुख्य कारण इस जिले के जिला केन्द्र टोंक नगर का रेलवे लाइन से जुड़ा हुआ नहीं होना है। टोंक जिला धीरे-धीरे अब एक औद्योगिक नगरी के रूप में उभर रहा है। यहां पर गलीचा, मिर्च तथा खाद्य तेल उत्पादन का विकास हो रहा है। टोंक जिले के विकास हेतु इसका रेल लाइन से जोड़ा जाना अति आवश्यक है।

टोंक जिला मुख्यालय को रेलवे से जोड़ने की मांग वर्षों पुरानी है। जयपुर-सवाईमाधोपुर ब्राडगेज लाइन डालने से पूर्व रेलवे विभाग द्वारा सन् 1990 एवं 1991 में सर्वे भी कराए गए थे, लेकिन तब मीटर गेज से ब्राडगेज में बदलने का लागत मूल्य अधिक होने एवं धनाभाव के कारण इस परियोजना को पेंडिंग में डाल दिया गया था। सर्वे के बाद जयपुर-सवाईमाधोपुर तक ब्राडगेज लाइन डल चुकी है, लेकिन इस लाइन से टोंक को लिंक नहीं किया गया है। वर्तमान में जयपुर-सवाईमाधोपुर वाली ब्राडगेज लाइन टोंक मुख्यालय से इसरदा-सिरस स्टेशन बिन्दु से मात्र 15-16 किलोमीटर की दूरी पर है। जिला मुख्यालय आसानी से इससे जुड़ जाएगा।

वर्तमान में हो रहे अजमेर कोटा के सर्वे में देवली टोंक रेल लिंक की नई लाइन के निर्माण की प्रस्तावना भी है, जिसे थोड़ा घुमाव देकर टोंक को जोड़ा जा सकता है।

टोंक में रेलवे का कम्प्यूटरीकृत बुकिंग आरक्षण केन्द्र है, जिसका जिले के यात्रियों द्वारा भरपूर लाभ उठाया जा रहा है और आय भी पर्याप्त हो रही है। लेकिन यह केन्द्र दिन में दस बजे से एक बजे तक मात्र तीन घंटे ही खुलता है। इसकी आमदनी बढ़ाने और जनसुविधा में वृद्धि करने हेतु ये चार बातें आवश्यक हैं - (1) केन्द्र का समय प्रातः आठ से रात्रि आठ बजे तक बढ़ाया जाए, इससे यात्री तत्काल आरक्षण सेवा का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। (2) आरक्षण केन्द्र में लोकल इंक्वायरी भी चालू की जाए। (3) उपकरणों की सुरक्षा हेतु ए.सी. लगवाया जाए और (4) केन्द्र का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए।

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : सभापति महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के इस विाय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।